

7-7-2015

राजकी राज राज लोक मंडल
अन्त सेवा हेतु ०५५ पंचायत
मण्डल पर प्रस्तुत हुयी वकी

की शेर से विचारम न प्रसिद्धी ३७
की शेर से प्रसिद्धी १० ५ व ७ उपस्थित
वकी का कथन है कि प्रसिद्धी १० ५ का ६ ने
अपने हिससे की जमीन अन्त कर के कथन कर
की, प्रसिद्धी है ही केचम करन चाले पा
प्रसिद्धी का कथन है कि हमने हमारे
हिससे की जमीन का कथन कर दिया है
हमने जिसको कथन किया है, वह कथन

हमारे नाम खालेदारी (राजकी) से
उपर से ~~कथन~~ दोनों एक उक्त प्रसिद्धी
का विवाद समाप्त होने पर ही कथन
करवाने से महफत ही कथन काद रती
होज पर विस्तारित किया जाता है
परावकी कथनयुक्त केर तब
कथन से तथा उपर का कथन

उप खण्ड अधिकारी
सनियारा जिला टोंक

विचारम

विचारम

रजि. सी. अ.